चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक ...10-10-2020..पृष्ठ संख्या.....03.....कॉलम.....3-5.....

खेती के साथ सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाएं मधुमक्खी पालन

जागरण संवाददाता, हिसार: किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर अपने व्यवसाय को बड़े स्तर तक बढ़ा सकते हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सह निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक गोदारा ने दी। वह मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से वे लघु स्तर पर मधुमक्खी पालन व्यवसाय शुरू करके अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते है।

जमीन न होने पर भी किसान कर सकते हैं यह व्यवसाय : कीट विज्ञान विभाग के सहायक निदेशक डा. भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि मधुमक्खी परागकरण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायक होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है या फिर जमीन नहीं है। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में मधुमक्खी पालन अधिक मुनाफा देता है क्योंकि इस समय फसल पर फूलों की संख्या बहुत अधिक होती है जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं।

प्रशिक्षणार्थियों को सर्टिफिकेट वितरित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य। ● पीआरओ

शहद के अलावा भी मधुमक्खी पालन के हैं कई फायदे

प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने बताया कि मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त भी अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस पराग, रायल जैली इत्यादि मिलते है, जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकता है।

इस दौरान कीट विज्ञान विभाग के जिला विस्तार विशेषज्ञ डा. तरूण वर्मा, डा. सुनीता यादव, डा. निर्मल कुमार आदि ने भी प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित अन्य प्रदेशों के 34 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........

दिनांक ..10-10-2020....पृष्ठ संख्या.....04.........कॉलम.....7-8.......

आगे बढ़ने के लिए नई तकनीकों के साथ सामंजस्य जरूरी : प्रो. सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित नई तकनीकों व शिक्षण की बारीकियों को सीखना होगा। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वे नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए शुक्रवार को आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था।

कुलपति ने कहा कि अब उनकी नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को अपनी मेहनत व संघर्ष की बदौलत आगे ले जाने की है। इसके लिए उन्हें पूरी निष्ठा व कर्तव्य से कार्य करना होगा। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने मानव संसाधन निदेशालय के संगठनात्मक ढांचे व उसकी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि एक माह के आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के नवनियुक्त शिक्षकों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक्ट एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस दौरान सहायक निदेशक डॉ. जितेंद्र भाटिया, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मीडिया एडवाइजर डॉ. आरएस ढिल्लों व प्रशिक्षणार्थी मौजूद थे।

प्रशिक्षणार्थी को प्रमाणपत्र देते कुलपति।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक ..10-10-20.....पृष्ठ संख्या.....02.....कॉलम.....5-8.....

किसान कम पूंजी में शुरू कर सकते हैं मधुमक्खी पालन, सर्दियों के मौसम में ज्यादा निकलता है शहद

एचएयू में मधुमक्खी पालन पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू, विशेषज्ञों ने दिए सुझाव

भास्कर न्यूज | हिसार

किसान खेती के साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर आमदनी बढ़ा सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से रुपए से शुरू कर अपने व्यवसाय को बड़े स्तर तक बढ़ा सकते हैं।

यह जानकारी एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ. अशोक गोदारा, सह-निदेशक (प्रशिक्षण) ने दी। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से वे लघु स्तर पर मधुमक्खी पालन व्यवसाय शुरू कर अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। कीट विज्ञान विभाग के सहायक निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि मधुमक्खी परागकरण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में सहायक होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में मधुमक्खी पालन अधिक मुनाफा देता है क्योंकि इस समय फसल पर फूलों की संख्या बहुत अधिक होती है जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं। प्रशिक्षण के दौरान सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. सुरेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में जानकारी देते हुए सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में 34 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने बताया कि मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त भी अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस पराग, रायल जैली इत्यादि मिलते हैं, जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकता है। इस दौरान कीट विज्ञान विभाग के जिला विस्तार विशेषज्ञ डॉ. तरूण वर्मा, डॉ. सुनीता यादव, डॉ. निर्मल कुमार आदि ने भी प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित अन्य प्रदेशों के 34 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक ...१०-१०-२०....पृष्ठ संख्या.....०५.....कॉलम.....३.....

किसान मधुमक्खी पालन को भी अपनाएं : डॉ. एके गोदारा

हिसार। किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अप नाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। यह जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने दी। वे मधुमक्खी पालन विषय पर शुक्रवार को शुरू हुए तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से वे लघु स्तर पर मधुमक्खी पालन व्यवसाय शुरू करके अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। कीट विज्ञान विभाग के सहायक निदेशक डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. सुरेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक ..10-10-2020....पृष्ठ संख्या.....04.....कॉलम....6-7.....

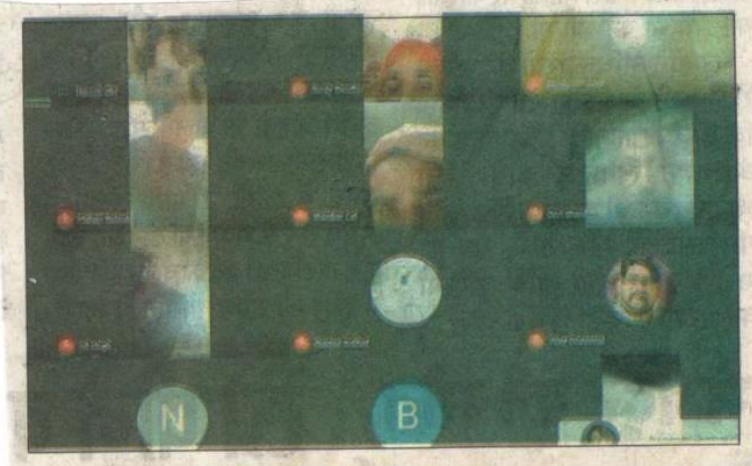

प्रतिभागियों को संबोधित करते वक्ता।

खेती के साथ सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाएं मधुमक्खी पालन: डा. ए.के. गोदारा

हिसार, 9 अक्तूबर (ब्यूरो): किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर बड़े स्तर तक बढ़ा सकते हैं। यह जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डा. अशोक गोदारा, सह-निदेशक (प्रशिक्षण) ने दी। वह मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से वे लघु स्तर पर मधुमक्खी पालन व्यवसाय शुरू करके अपनी आय में बढ़ौतरी कर सकते हैं।

एच.ए.यू. में मधुमक्खी पालन पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

प्रशिक्षण के दौरान सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) डा. सुरेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। इस दौरान कीट विज्ञान विभाग के जिला विस्तार विशेषज्ञ डा. तरुण वर्मा, डा. सुनीता यादव, डा. निर्मल कुमार आदि ने भी प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित अन्य प्रदेशों के 34 प्रतिभागी भाग ले रहें है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	**09.10.2020**	--	--

खेती के साथ सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाएं मधुमक्खी पालन: डॉ. गोदारा

पल पल न्यूज: हिसार, 9 अक्टूबर। किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर अपने व्यवसाय को बड़े स्तर तक बढ़ा सकते हैं। ये जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ. अशोक गोदारा, सह-निदेशक (प्रशिक्षण) ने दी। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से वे लघु स्तर पर मधुमक्खी पालन व्यवसाय शुरू करके अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। कीट विज्ञान विभाग के सहायक निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि मधुमक्खी परागकरण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायक होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है या फिर जमीन नहीं है। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में मधुमक्खी पालन अधिक मुनाफा देता है क्योंकि इस समय फसल पर फूलों की संख्या बहुत अधिक होती है जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं। प्रशिक्षण के दौरान सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. सुरेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए सरकार की ओर से ऋण मुहैया करवाए जाने के लिए प्रपोजल तैयार करने संबंधी भी विस्तृत जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	**09.10.2020**	--	--

हिसार-आसपास

खेती के साथ सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाएं मधुमक्खी पालन : डॉ. गोदारा

एचएयू में मधुमक्खी पालन पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

टुडे न्यूज | हिसार

किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर अपने व्यवसाय को बड़े स्तर तक बढ़ा सकते हैं।

ये जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ. अशोक गोदारा, सह-निदेशक(प्रशिक्षण) ने दी। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से वे लघु स्तर पर मधुमक्खी पालन व्यवसाय शुरू करके अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते है। कीट विज्ञान विभाग के सहायक निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि मधुमक्खी परागकरण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायह होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है या फिर जमीन नहीं है। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में मधुमक्खी पालन अधिक मुनाफा देता है क्योंकि इस समय फसल पर फूलों की संख्या बहुत अधिक होती है जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं। प्रशिक्षण के दौरान सहायक निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. सुरेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए सरकार की ओर से ऋण मुहैया करवाए जाने के लिए प्रपोजल तैयार करने संबंधी भी विस्तृत जानकारी दी।

प्रतिभागियों को संबोधित करते वक्ता।

शहद के अलावा भी कई फायदे हैं मधुमक्खी पालन के

प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने बताया कि मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त भी अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस पराग, रायल जैली इत्यादि मिलते है, जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकता है। इस दौरान कीट विज्ञान विभाग के जिला विस्तार विशेषज्ञ डॉ. तरूण वर्मा, डॉ. सुनीता यादव, डॉ. निर्मल कुमार आदि ने भी प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित अन्य प्रदेशों के 34 प्रतिभागी भाग ले रहें है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**09.10.2020**	--	--

एचएयू में मधुमक्खी पालन पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर अपने व्यवसाय को बड़े स्तर तक बढ़ा सकते हैं। ये जानकारी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ. अशोक गोदारा, सह-निदेशक(प्रशिक्षण) ने दी। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से वे लघु स्तर पर मधुमक्खी पालन व्यवसाय शुरू करके अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते है। कीट विज्ञान विभाग के सहायक निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि मधुमक्खी परागकरण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायह होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है या फिर जमीन नहीं है। प्रशिक्षण के दौरान सहायक निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. सुरेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में जानकारी देते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**09.10.2020**	--	--

हकृवि में मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण आरंभ

हिसार/09 अक्टूबर/रिपोर्टर

किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर अपने व्यवसाय को बड़े स्तर तक बढ़ा सकते हैं। ये जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ. अशोक गोदारा, सह-निदेशक(प्रशिक्षण) ने दी। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से वे लघु स्तर पर मधुमक्खी पालन व्यवसाय शुरू करके अपनी आय में बढ़ौतरी कर सकते हैं। कीट विज्ञान विभाग के सहायक निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि मधुमक्खी परागकरण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायह होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है या फिर जमीन नहीं है। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में मधुमक्खी पालन अधिक मुनाफा देता है क्योंकि इस समय फसल पर फूलों की संख्या बहुत अधिक होती है जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं। प्रशिक्षण के दौरान सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. सुरेंद्र सिंह ने सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए सरकार की ओर से ऋण मुहैया करवाए जाने के लिए प्रपोजल तैयार करने संबंधी भी जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने बताया कि मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त भी अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस पराग, रायल जैली इत्यादि मिलते हैं, जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकता है। इस दौरान कीट विज्ञान विभाग के जिला विशेषज्ञ डॉ. तरूण वर्मा, डॉ. सुनीता यादव, डॉ. निर्मल कुमार आदि ने भी प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित अन्य प्रदेशों के 34 प्रतिभागी भाग ले रहें है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**09.10.2020**	--	--

खेती के साथ सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाएं मधुमक्खी पालन : डॉ. गोदारा

एचएयू में मधुमक्खी पालन पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

पांच बजे न्यूज

हिसार। किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर अपने व्यवसाय को बड़े स्तर तक बढ़ा सकते हैं। ये जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ. अशोक गोदारा, सह-निदेशक(प्रशिक्षण) ने दी। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से वे लघु स्तर पर मधुमक्खी पालन व्यवसाय शुरू करके अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते है। कीट विज्ञान विभाग के सहायक निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि मधुमक्खी परागकरण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायह होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है या फिर जमीन नहीं है। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में मधुमक्खी पालन अधिक मुनाफा देता है क्योंकि इस समय फसल पर फूलों की संख्या बहुत अधिक होती है जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं। प्रशिक्षण के दौरान सहायक निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. सुरेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए सरकार की ओर से ऋण मुहैया करवाए जाने के लिए प्रपोजल तैयार करने संबंधी भी विस्तृत जानकारी दी।

शहद के अलावा भी कई फायदे हैं मधुमक्खी पालन के

प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने बताया कि मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त भी अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस पराग, रायल जैली इत्यादि मिलते है, जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकता है। इस दौरान कीट विज्ञान विभाग के जिला विस्तार विशेषज्ञ डॉ. तरूण वर्मा, डॉ. सुनीता यादव, डॉ. निर्मल कुमार आदि ने भी प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित अन्य प्रदेशों के 34 प्रतिभागी भाग ले रहें है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**09.10.2020**	--	--

खेती के साथ सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाएं मधुमक्खी पालन : डॉ. गोदारा

एचएयू में मधुमक्खी पालन पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर अपने व्यवसाय को बड़े स्तर तक बढ़ा सकते हैं। ये जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ. अशोक गोदारा, सह-निदेशक(प्रशिक्षण) ने दी। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से वे लघु स्तर पर मधुमक्खी पालन व्यवसाय शुरू करके अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते है। कीट विज्ञान विभाग के सहायक निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि मधुमक्खी परागकरण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायह होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है या फिर जमीन नहीं है। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में मधुमक्खी पालन अधिक मुनाफा देता है क्योंकि इस समय फसल पर फूलों की संख्या बहुत अधिक होती है जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं। प्रशिक्षण के दौरान सहायक निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. सुरेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी।

प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने बताया कि मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त भी अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस पराग, रायल जैली इत्यादि मिलते है, जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकता है। इस दौरान कीट विज्ञान विभाग के जिला विस्तार विशेषज्ञ डॉ. तरूण वर्मा, डॉ. सुनीता यादव, डॉ. निर्मल कुमार आदि ने भी प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित अन्य प्रदेशों के 34 प्रतिभागी भाग ले रहें है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**09.10.2020**	--	--

खेती के साथ सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाएं मधुमक्खी पालन : डॉ. ए.के. गोदारा

एचएयू में मधुमक्खी पालन पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 9 अक्टूबर : किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर अपने व्यवसाय को बड़े स्तर तक बढ़ा सकते हैं। ये जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ. अशोक गोदारा, सह-निदेशक(प्रशिक्षण) ने दी। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से वे लघु स्तर पर मधुमक्खी पालन व्यवसाय शुरू करके अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते है। कीट विज्ञान विभाग के सहायक निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि मधुमक्खी परागकरण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायह होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है या फिर जमीन नहीं है। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में मधुमक्खी पालन अधिक मुनाफा देता है क्योंकि इस समय फसल पर फूलों की संख्या बहुत अधिक होती है जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं। प्रशिक्षण के दौरान सहायक निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. सुरेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए सरकार की ओर से ऋण मुहैया करवाए जाने के लिए प्रपोजल तैयार करने संबंधी भी विस्तृत जानकारी दी।

शहद के अलावा भी कई फायदे हैं मधुमक्खी पालन के

प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने बताया कि मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त भी अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस पराग, रायल जैली इत्यादि मिलते है, जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकता है। इस दौरान कीट विज्ञान विभाग के जिला विस्तार विशेषज्ञ डॉ. तरूण वर्मा, डॉ. सुनीता यादव, डॉ. निर्मल कुमार आदि ने भी प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित अन्य प्रदेशों के 34 प्रतिभागी भाग ले रहें है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दैनिक भास्कर .....

दिनांक ..10-10-2020...पृष्ठ संख्या.....02.....कॉलम...6-8.....

एचएयू के नवनियुक्त वैज्ञानिकों का प्रशिक्षण संपन्न

भास्कर न्यूज | हिसार

जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित्त नई तकनीकों व शिक्षण की बारीकियों को सीखना होगा। उक्त विचार एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने व्यक्त किए। वे नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एव वैज्ञानिकों के लिए आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय ने किया था। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए प्रतिभागियों के साथ परिचय करवाया। साथ ही मानव संसाधन निदेशालय के संगठनात्मक ढांचे व उसकी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..दैनिक जागरण.....

दिनांक ..10-10-2020..पृष्ठ संख्या.....02.....कॉलम.....4.....

उन्नति के लिए तकनीक के साथ सामंजस्य जरूरी : प्रो. समर सिंह

जासं, हिसार : जीवन में आगे बढ़ने के लिए नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित नई तकनीकों व शिक्षण की बारीकियों को सीखना होगा। उक्त विचार एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं विज्ञानियों के लिए आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

प्रशिक्षण का आयोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था। उन्होंने कहा कि अब उनकी नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को अपनी मेहनत व संघर्ष की बदौलत आगे ले जाने की है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डा. एमएस सिद्धपुरिया ने निदेशालय के संगठनात्मक ढांचे व उसकी गतिविधियों के बारे में बताया। सहायक निदेशक डा. जितेंद्र भाटिया ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........हरिभूमि........

दिनांक ..10-10-2020..पृष्ठ संख्या.....09.....कॉलम.....2-6.....

हकृवि के वैज्ञानिकों के लिए आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण का समापन

नई तकनीकों के साथ सामंजस्य जरूरी

- कहा, आज के दौर में कामयाबी के लिए आपके व्यक्तित्व की बहुत बड़ी भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित्त नई तकनीकों व शिक्षण की बारीकियों को सीखना होगा। कुलपति प्रो. सिंह नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एव वैज्ञानिकों के लिए आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था। उन्होंने नवनियुक्त वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान को अपने सेवाकाल में अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि वे नित नई चुनौतियों का सामना कर आगे बढ़ने में सक्षम हो सकें। आज के दौर में कामयाबी के लिए आपके व्यक्तित्व की बहुत बड़ी भूमिका होती है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए प्रतिभागियों के साथ परिचय करवाया। साथ ही मानव संसाधन निदेशालय के संगठनात्मक ढांचे व उसकी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता, सहायक निदेशक डॉ. जितेंद्र भाटिया, विवि के वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मीडिया एडवाइजर डॉ. आर.एस. ढिल्लों सहित प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजक व प्रशिक्षणार्थी मौजूद थे।

हिसार। प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....पंजाब केसरी....

दिनांक ....10-10-2020....पृष्ठ संख्या....04....कॉलम....1-2....

आगे बढ़ने के लिए नई तकनीकों के साथ सामंजस्य जरूरी: प्रो. समर सिंह

कार्यक्रम में मौजूद कुलपति व प्रशिक्षणार्थी।

एच.ए.यू. के नवनियुक्त वैज्ञानिकों का एक माह का आरंभिक प्रशिक्षण सम्पन्न

हिसार, 9 अक्तूबर (ब्यूरो): जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित नई तकनीकों व शिक्षण की बारीकियों को सीखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वह नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था। उन्होंने कहा कि अब उनकी नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को अपनी मेहनत व संघर्ष की बदौलत आगे ले जाने की है। इसके लिए उन्हें पूरी निष्ठा व कर्त्तव्य से कार्य करना होगा। अगर आप मेहनत, सच्ची लगन, दृढ़ सकंल्प व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो सफलता आपके कदम चूमेगी।

उन्होंने नवनियुक्त वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान को अपने सेवाकाल में अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि वे नित नई चुनौतियों का सामना कर आगे बढ़ने में सक्षम हो सकें। इस दौरान विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मीडिया एडवाइजर डा. आर.एस. ढिल्लों सहित प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजक व प्रशिक्षणार्थी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**10.10.2020**	--	--

आगे बढ़ने के लिए नई तकनीकों के साथ सामंजस्य जरूरी : प्रोफेसर समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 10 अक्टूबर : जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित्त नई तकनीकों व शिक्षण की बारीकियों को सीखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एव वैज्ञानिकों के लिए आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था। उन्होंने कहा कि अब उनकी नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को अपनी मेहनत व संघर्ष की बदौलत आगे ले जाने की है। इसके लिए उन्हें पूरी निष्ठा व कर्तव्य से कार्य करना होगा। अगर आप मेहनत, सच्ची लगन, दृढ़ सकंल्प व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो सफलता आपके कदम चुमेगी क्योंकि सफलता का कोई शॉर्ट कट नहीं होता। उन्होंने नवनियुक्त वैज्ञानिकों से आहवान किया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान को अपने सेवाकाल में अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि वे नित

नई चुनौतियों का सामना कर आगे बढ़ने में सक्षम हो सकें। आज के दौर में कामयाबी के लिए आपके व्यक्तित्व की बहुत बड़ी भूमिका होती है। इसलिए आप किसी भी क्षेत्र में काम कर रहे हों, आपको हमेशा आत्म विकास पर कार्य करना होगा। आत्म विकास व आत्म विश्वास इंसान को सामान्य जीवन के साथ-साथ उसके करियर में भी बहुत आगे तक लेकर जा सकता है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए प्रतिभागियों के साथ परिचय करवाया। साथ ही मानव संसाधन निदेशालय के संगठनात्मक ढांचे व उसकी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	**09.10.2020**	--	--

आगे बढने के लिए नई तकनीकों के साथ सामंजस्य जरूरी : प्रोफेसर समर सिंह

एचएयू के नवनियुक्त वैज्ञानिकों का एक माह का आरंभिक प्रशिक्षण संपन्न

टुडे न्यूज | हिसार

जीवन में आगे बढने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित्त नई तकनीकों व शिक्षण की बारीकियों को सीखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे।

वे नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एव वैज्ञानिकों के लिए आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था। उन्होंने कहा कि अब उनकी नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को अपनी मेहनत व संघर्ष की बदौलत आगे ले जाने की है। इसके लिए उन्हें पूरी निष्ठा व कर्तव्य से कार्य करना होगा। अगर आप मेहनत, सच्ची लगन, दृढ़ सकंल्प व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो सफलता आपके कदम चुमेगी क्योंकि सफलता का कोई शॉर्ट कट नहीं होता। उन्होंने नवनियुक्त वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान को अपने सेवाकाल में अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि वे नित नई चुनौतियों का सामना कर आगे बढने में सक्षम हो सकें। आज के दौर में कामयाबी के लिए आपके व्यक्तित्व की बहुत बड़ी भूमिका होती है। इसलिए आप किसी भी क्षेत्र में काम कर रहे हों, आपको हमेशा आत्म विकास पर कार्य करना होगा। आत्म विकास व आत्म विश्वास इंसान को सामान्य जीवन के साथ-साथ उसके करियर में भी बहुत आगे तक लेकर जा सकता है।

विश्वविद्यालय की प्रत्येक प्रशासनिक गतिविधि से कराया अवगत

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए प्रतिभागियों के साथ परिचय करवाया। साथ ही मानव संसाधन निदेशालय के संगठनात्मक ढांचे व उसकी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इसएक माह के आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के नवनियुक्त शिक्षकों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक्ट एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कोरोना महामारी के चलते प्रतिदिन प्रशिक्षण शुरू होने से पहले प्रशिक्षण हॉल को सेनेटाइज करवाते हुए सामाजिक दूरी व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया। सहायक निदेशक डॉ. जितेंद्र भाटिया ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए, जिनमें विश्वविद्यालय के व बाहर के विशेषज्ञ भी शामिल थे। इस दौरान विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मीडिया एडवाइजर डॉ. आर.एस. ढिल्लों सहित प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजक व प्रशिक्षणार्थी मौजूद थे।

प्रशिक्षणार्थियों को सर्टिफीकेट वितरित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	**09.10.2020**	--	--

आगे बढ़ने के लिए नई तकनीकों के साथ सामंजस्य जरूरी: प्रो. समर सिंह

पल पल न्यूजः हिसार, 9 अक्टूबर। जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना

जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित्त नई तकनीकों व शिक्षण की बारीकियों को सीखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एव वैज्ञानिकों के लिए आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था। उन्होंने कहा कि अब उनकी नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को अपनी मेहनत व संघर्ष की बदौलत आगे ले जाने की है। इसके लिए उन्हें पूरी निष्ठा व कर्तव्य से कार्य करना होगा। अगर आप मेहनत, सच्ची लगन, दृढ़ संकल्प व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो सफलता आपके कदम चुमेगी क्योंकि सफलता का कोई शॉर्ट कट नहीं होता। उन्होंने नवनियुक्त वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान को अपने सेवाकाल में अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि वे नित नई चुनौतियों का सामना कर आगे बढ़ने में सक्षम हो सकें। आज के दौर में कामयाबी के लिए आपके व्यक्तित्व की बहुत बड़ी भूमिका होती है। इसलिए आप किसी भी क्षेत्र में काम कर रहे हों, आपको हमेशा आत्म विकास पर कार्य करना होगा। आत्म विकास व आत्म विश्वास इंसान को सामान्य जीवन के साथ-साथ उसके करियर में भी बहुत आगे तक लेकर जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समर घोष	**09.10.2020**	--	--

आगे बढ़ने के लिए नई तकनीकों के साथ सामंजस्य जरूरी: प्रोफेसर समर सिंह

हिसार। जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित्त नई तकनीकों व शिक्षण की बारीकियों को सीखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था। उन्होंने कहा कि अब उनकी नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को अपनी मेहनत व संघर्ष की बदौलत आगे ले जाने की है। इसके लिए उन्हें पूरी निष्ठा व कर्तव्य से कार्य करना होगा। अगर आप मेहनत, सच्ची लगन, दृढ़ सकंल्प व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो सफलता आपके कदम चूमेगी क्योंकि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। उन्होंने नवनियुक्त वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान को अपने सेवाकाल में अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि वे नित नई चुनौतियों का सामना कर आगे बढ़ने में सक्षम हो सकें। उन्होंने कहा कि आज के दौर में कामयाबी के लिए आपके व्यक्तित्व की बहुत बड़ी भूमिका होती है। इसलिए आप किसी भी क्षेत्र में काम कर रहे हों, आपको हमेशा आत्म विकास पर कार्य करना होगा। आत्म विकास व आत्म विश्वास इंसान को सामान्य जीवन के साथ-साथ उसके करियर में भी बहुत आगे तक लेकर जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**09.10.2020**	--	--

एचएयू के नवनियुक्त वैज्ञानिकों का एक माह का आरंभिक प्रशिक्षण संपन्न

हिसार। हिसार। प्रशिक्षणार्थियों को सर्टिफीकेट वितरित करते विश्वविद्यालय के कुलपति समर सिंह।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित्त नई तकनीकों व शिक्षण की बारीकियों को सीखना होगा। उक्त विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एव वैज्ञानिकों के लिए आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था। उन्होंने कहा कि अब उनकी नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को अपनी मेहनत व संघर्ष की बदौलत आगे ले जाने की है। इसके लिए उन्हें पूरी निष्ठा व कर्तव्य से कार्य करना होगा। अगर आप मेहनत, सच्ची लगन, दृढ़ सकंल्प व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो सफलता आपके कदम चुमेगी क्योंकि सफलता का कोई शॉर्ट कट नहीं होता। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने निदेशालय के संगठनात्मक ढांचे व उसकी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस एक माह के आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के नवनियुक्त शिक्षकों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक्ट एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**09.10.2020**	--	--

आगे बढ़ने के लिए नई तकनीकों के साथ सामंजस्य जरूरी : वीसी

एचएयू के नवनियुक्त वैज्ञानिकों का एक माह का आरंभिक प्रशिक्षण संपन्न

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित नई तकनीकों व शिक्षण की बारीकियों को सीखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एव वैज्ञानिकों के लिए आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था।

उन्होंने कहा कि अब उनकी नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को अपनी मेहनत व संघर्ष की बदौलत आगे ले जाने की है। इसके लिए उन्हें पूरी निष्ठा व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो सफलता आपके कदम चुमेगी क्योंकि सफलता का कोई शॉर्ट कट नहीं होता। उन्होंने नवनियुक्त वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान को अपने सेवाकाल में अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि वे नित नई चुनौतियों का सामना कर आगे बढ़ने में सक्षम हो सकें। आज के दौर में कामयाबी के लिए आपके व्यक्तित्व की बहुत बड़ी भूमिका होती है। इसलिए आप किसी भी क्षेत्र में काम कर रहे हों, आपको हमेशा आत्म विकास पर कार्य करना होगा। आत्म विकास व आत्म विश्वास इंसान को सामान्य जीवन के साथ-साथ उसके करियर में भी बहुत आगे तक लेकर जा सकता है।

विश्वविद्यालय की प्रत्येक प्रशासनिक गतिविधि से कराया अवगत

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए प्रतिभागियों के साथ परिचय करवाया। साथ ही मानव संसाधन निदेशालय के संगठनात्मक ढांचे व उसकी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इसएक माह के आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के नवनियुक्त शिक्षकों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक्ट एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कोरोना महामारी के चलते प्रतिदिन प्रशिक्षण शुरू होने से पहले प्रशिक्षण हॉल को सेनेटाइज करवाते हुए सामाजिक दूरी व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया। सहायक निदेशक डॉ. जितेंद्र भाटिया ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए, जिनमें विश्वविद्यालय के व बाहर के विशेषज्ञ भी शामिल थे। इस दौरान विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मीडिया एडवाइजर डॉ. आर.एस. ढिल्लों सहित प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजक व प्रशिक्षणार्थी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**09.10.2020**	--	--

हिसार/अन्य

पांच बजे 3

एचएयू के नवनियुक्त वैज्ञानिकों का एक माह का आरंभिक प्रशिक्षण संपन्न

आगे बढ़ने के लिए नई तकनीकों के साथ सामंजस्य जरूरी : प्रो. समर सिंह

पांच बजे ब्यूज

हिसार। जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित्त नई तकनीकों व शिक्षण की बारीकियों को सीखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एव वैज्ञानिकों के लिए आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था। उन्होंने कहा कि अब उनकी नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को अपनी मेहनत व संघर्ष की बदौलत आगे ले जाने की है। इसके लिए उन्हें पूरी निष्ठा व कर्तव्य से कार्य करना होगा। अगर आप

मेहनत, सच्ची लगन, दृढ़ सकंल्प व आत्मविश्वास के साथ अगे बढ़ेंगे तो सफलता आपके कदम चुमेगी क्योंकि सफलता का कोई शॉर्ट कट नहीं होता। उन्होंने नवनियुक्त वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान को अपने सेवाकाल में अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि वे नित नई चुनौतियों का सामना कर आगे बढ़ने में सक्षम हो सकें। आज के दौर में कामयाबी के लिए आपके व्यक्तित्व की बहुत बड़ी भूमिका होती है। इसलिए आप किसी भी क्षेत्र में काम कर रहे हों, आपको हमेशा आत्म विकास पर कार्य करना होगा। आत्म विकास व आत्म विश्वास इंसान को सामान्य जीवन के साथ-साथ उसके करियर में भी बहुत आगे तक लेकर जा सकता है।

विश्वविद्यालय की प्रत्येक प्रशासनिक गतिविधि से कराया अवगत

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए प्रतिभागियों के साथ परिचय करवाया। साथ ही मानव संसाधन निदेशालय के संगठनात्मक ढांचे व उसकी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इसएक माह के आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के नवनियुक्त शिक्षकों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक्ट एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कोरोना महामारी के चलते प्रतिदिन प्रशिक्षण शुरू होने से पहले प्रशिक्षण हॉल को सेनेटाइज करवाते हुए सामाजिक दूरी व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया। सहायक निदेशक डॉ. जितेंद्र भाटिया ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए, जिनमें विश्वविद्यालय के व बाहर के विशेषज्ञ भी शामिल थे। इस दौरान विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मीडिया एडवाइजर डॉ. आर.एस. ढिल्लों सहित प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजक व प्रशिक्षणार्थी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**09.10.2020**	--	--

वर्तमान की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य जरूरी : कुलपति

हिसार/09 अक्टूबर/रिपोर्टर

जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित नई तकनीकों व शिक्षण की बारीकियों को सीखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एव वैज्ञानिकों के लिए आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण के समापन पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था। उन्होंने कहा कि अब उनकी नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को अपनी मेहनत व संघर्ष की बदौलत आगे ले जाने की है। इसके लिए उन्हें पूरी निष्ठा व कर्तव्य से कार्य करना होगा। अगर आप मेहनत, सच्ची लगन, दृढ़ सकंल्प व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो सफलता आपके कदम चूमेगी क्योंकि सफलता का कोई शॉर्ट कट

नहीं होता। उन्होंने नवनियुक्त वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान को अपने सेवाकाल में अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि वे नित नई चुनौतियों का सामना कर आगे बढने में सक्षम हो सकें। आज के दौर में कामयाबी के लिए आपके व्यक्तित्व की बहुत बड़ी भूमिका होती है। इसलिए आप किसी भी क्षेत्र में काम कर रहे हों, आपको हमेशा आत्म विकास पर कार्य करना होगा। आत्म विकास व आत्म विश्वास इंसान को सामान्य जीवन के साथ.साथ उसके करियर में भी बहुत आगे तक लेकर जा सकता है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने मानव संसाधन निदेशालय के संगठनात्मक ढांचे व उसकी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस एक माह के आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के नवनियुक्त शिक्षकों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक्ट एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। सहायक निदेशक डॉ. जितेंद्र भाटिया ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन अलग.अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए, जिनमें विश्वविद्यालय व बाहर के विशेषज्ञ भी शामिल थे। इस दौरान विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मीडिया एडवाइजर डॉ. आरएस ढिल्लो सहित प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजक व प्रशिक्षणार्थी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**09.10.2020**	--	--

मौसम खुश्क रहने की संभावना, रात्रि को बढ़ सकती है ठंड

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार आगामी दिनों में मौसम आमतौर पर खुश्क रहने व रात्रि को तापमान में हल्की गिरावट की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 10 से 14 अक्टूबर तक अधिकतम तापमान 33 से 36 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 15 से 18 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। इस दौरान 4 से 8 किलोमीटर प्रति घंटा के बीच उत्तर-पश्चिमी हवा चल सकती है।

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि खाली खेतों को अच्छी तरह जुताई कर सरसों व चने के लिए तैयार करें तथा प्रमाणित किस्मों की बिजाई करें। तापमान में गिरावट को ध्यान में रखते हुए सरसों की बिजाई करें। अगेती रबी फसलों की तैयारी के लिए खेत की जुताई करने के तुरंत बाद सुहागा अवश्य लगाएं ताकि मिट्टी में नमी का संचित रह पाए।

खुश्क मौसम के संभावना को देखते हुए कपास व नरमा की फसल की चुगाई जल्दी से जल्दी पूरी करें। मौसम को ध्यान में रखते हुए कटाई से पहले धान में दो सप्ताह पूर्व सिंचाई बंद कर दें। अगले चार दिनों में पकी हुई बाजरा की कढ़ाई व कटाई जल्दी से पूरी कर लें। खुश्क मौसम को देखते हुए हरे चारे की बिजाई के लिए खेत को तैयार रखें।